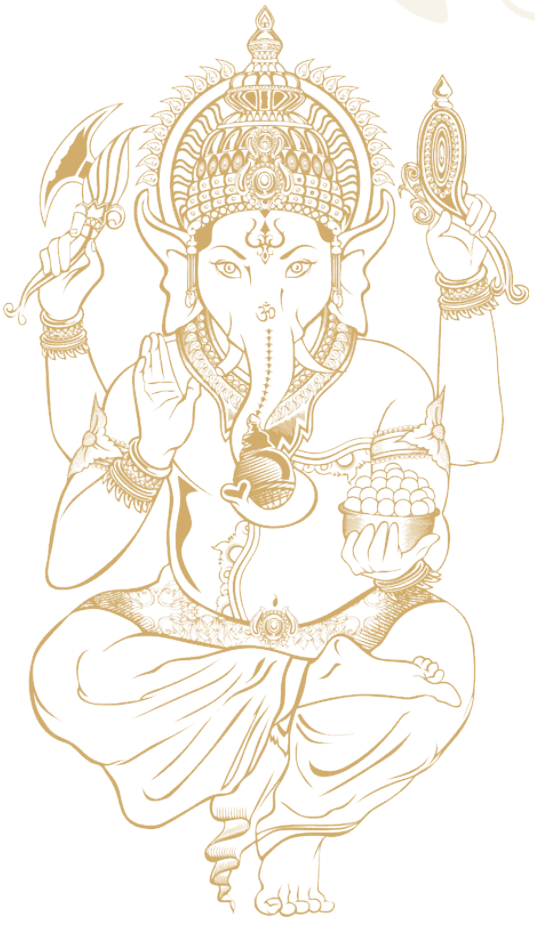

Gauri Shankar Sharma

Punita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121361802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/1999	जन्म तिथि	15/11/1998
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	13:09:00 घंटे
घटी 34:40:20	जन्म समय(घटी)	15:47:44 घटी
India	देश	India
Chawadiya	स्थान	Ren
26:10:06 उत्तर	अक्षांश	26:47:00 उत्तर
74:38:25 पूर्व	रेखांश	74:05:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:26	स्थानिक संस्कार	-00:33:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:07:52	सूर्योदय	06:53:08
17:40:13	सूर्यास्त	17:43:15
23:51:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 4वर्ष 8मा 15दि		09:49:06	कर्क	लग्न	मक	29:50:11	चन्द्र 4वर्ष 9मा 25दि	
मंगल		24:16:07	वृश्चि	सूर्य	तुला	28:53:29	राहु	
26/08/2020		23:31:37	धनु	चंद्र	कन्या	16:54:27	10/09/2010	
26/08/2027		17:11:01	मक	मंगल	सिंह	29:16:20	10/09/2028	
मंगल	22/01/2021	05:32:32	वृश्चि	बुध	वृश्चि	21:11:54	राहु	23/05/2013
राहु	09/02/2022	01:19:52	मेष व	गुरु	कुंभ	24:19:42	गुरु	17/10/2015
गुरु	16/01/2023	11:38:24	तुला	शुक्र	वृश्चि	02:56:49	शनि	23/08/2018
शनि	25/02/2024	17:23:11	मेष व	शनि व	मेष	04:36:14	बुध	11/03/2021
बुध	21/02/2025	10:33:52	कर्क व	राहु व	सिंह	03:47:26	केतु	30/03/2022
केतु	20/07/2025	10:33:52	मक व	केतु व	कुंभ	03:47:26	शुक्र	29/03/2025
शुक्र	19/09/2026	19:58:43	मक	हर्ष	मक	15:17:27	सूर्य	21/02/2026
सूर्य	25/01/2027	08:37:36	मक	नेप	मक	05:52:50	चन्द्र	23/08/2027
चन्द्र	26/08/2027	16:47:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:29:50	मंगल	10/09/2028

लग्न-चलित

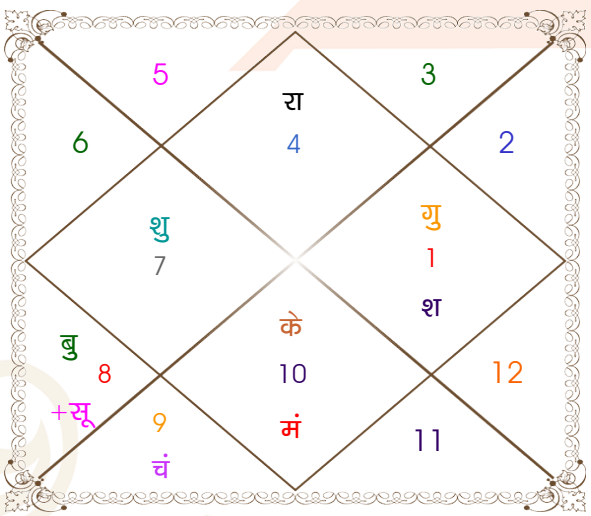

लग्न-चलित

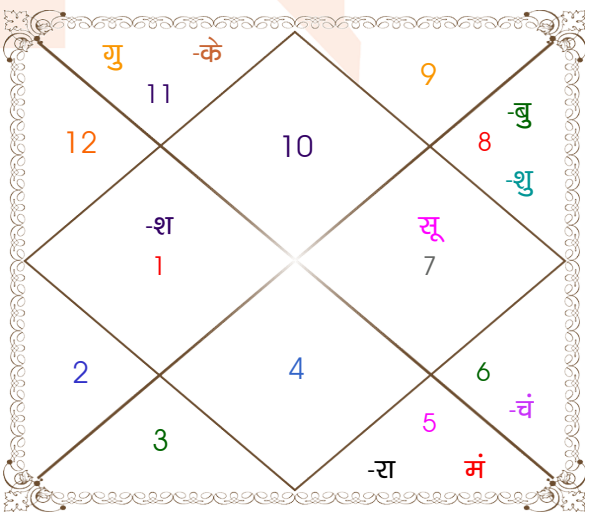

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ळंनतपौंदांतौंतउं का वर्ग श्वान है तथा च्नदपजं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतपौंदांतौंतउं और च्नदपजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतपौंदांतौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळंनतपौंदांतौंतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंनतपौंदांतौंतउं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्नदपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु च्नदपजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळंनतपौंदांतौंतउं तथा च्नदपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।